STEPPING STONE
SCHOOL (HIGH)

CLASS :7

Subject:2ndLang(Hindi)
Date:24.06.20
Topic:: comprehension

Worksheet No.:21

FOR CLASSES VI-VIII

. Please read the chapter from your text book and the attached notes.
. Then work out the exercises neatly in your notebooks henceforth.
. Ensure neat and tidy work.
. Do not write above the red line of the notebook pages.
. Use notebook with ..... pages and write with blue ink.
. Make a contents page first with columns under the heads as given below:

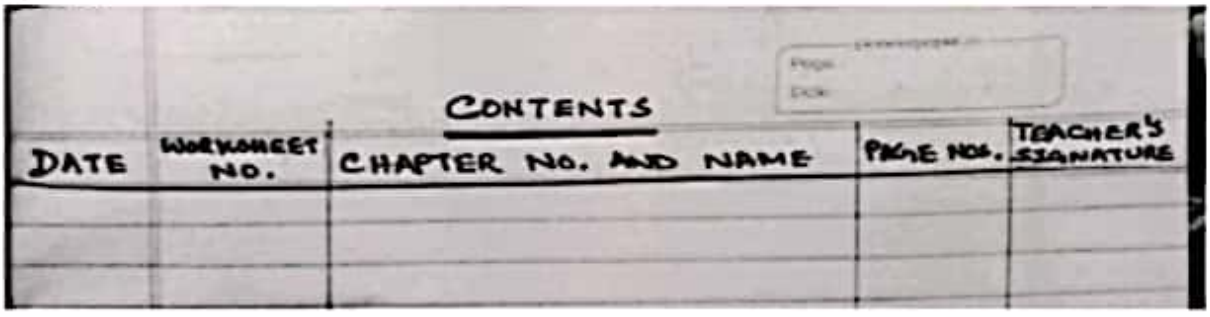

CONTENTS

DATE	WORKSHEET NO.	CHAPTER NO. AND NAME	PAGE NOS.	TEACHER'S SIGNATURE

Classes 6to 8
1) ruled -120 pages (1) for (lit+rapid reader)
2) ruled-68 pages (1) for grammar
3) ruled-68 pages (1) for (essay, letter & comprehension)

***

Scanned with CamScanner

धृतराष्ट्र और पांडु

PARAGRAPH NO: 1

अंबिका और अंबालिका का विवाह विचित्रवीर्य से हो गया और वे हस्तिनापुर में रहने लगीं। अंबिका के एक पुत्र हुआ, जिसका नाम था धृतराष्ट्र। और अंबालिका के पुत्र का नाम रखा गया पांडु। दासी-पुत्र विदुर भी धृतराष्ट्र और पांडु के भाई थे। वे अपने चातुर्य, ज्ञान और सत्यनिष्ठा के लिए प्रसिद्ध हुए।

धृतराष्ट्र नेत्रहीन पैदा हुए थे पर वे बहुत ही शक्तिशाली थे। पांडु कमज़ोर थे परंतु वे एक कुशल धनुर्धारी थे।

PARAGRAPH NO: 2

बड़े होने पर धृतराष्ट्र का विवाह गांधारी नाम की राजकुमारी से हुआ। वे धार्मिक स्वभाव की थीं। उनके पति नेत्रहीन थे इसलिए गांधारी भी एक कपड़े से सदा अपनी आँखें बाँधे रहती थीं।

Scanned with CamScanner

PARAGRAPH NO.: 3

दूसरे भाई पांडु की दो पत्नियाँ थीं—कुंती और माद्री। विचित्रवीर्य की मृत्यु के पश्चात भीष्म ने पांडु को राजगद्दी पर बिठाया। राजा पांडु ने बहुत ही कुशलता और बुद्धिमानी से हस्तिनापुर की बागडोर सँभाली। भीष्म और विदुर सदैव उनका पथप्रदर्शन करते थे।

PARAGRAPH NO.: 4

एक दिन पांडु वन में शिकार खेलने के लिए गए। अज्ञानवश उनका बाण मृगछाल धारी एक ऋषि को जा लगा। मरणावस्था में ऋषि ने पांडु को श्राप दिया। वह श्राप इतना हृदय विदारक था कि पांडु उससे विचलित हो उठे और कुंती तथा माद्री सहित वन में जाकर रहने लगे। वहीं पांडु के घर कुंती से तीन पुत्र, और माद्री से दो पुत्र हुए। ये पाँचों देवपुत्र थे। पांडु के पाँच पुत्र—युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन, नकुल और सहदेव—पांडवों के नाम से प्रसिद्ध हुए। युधिष्ठिर का जन्म धर्मराज के वरदान से, भीम का वायुदेव और अर्जुन का इंद्र के वरदान से हुआ। सहदेव और नकुल अश्विनी भाइयों के वरदान से जन्मे थे। इन पाँचों भाइयों में अगाध प्रेम था। वे एक-दूसरे के प्रति व्यवहार में निष्पक्ष और ईमानदार थे।

PARAGRAPH NO.: 5

पांडु जिस समय वन में अपनी पत्नियों और पुत्रों के साथ रहते थे, उनकी अनुपस्थिति में धृतराष्ट्र ने हस्तिनापुर का शासन सँभाला। धृतराष्ट्र और गांधारी के सौ पुत्र और दु:शला नामक एक पुत्री हुई। ये पुत्र कौरवों के नाम से प्रसिद्ध हुए। धृतराष्ट्र के ज्येष्ठ पुत्र का नाम था—दुर्योधन।

PARAGRAPH NO.: 6

दुर्योधन के जन्म के समय बुद्धिमान विदुर ने धृतराष्ट्र को सलाह दी, "महाराज, इस बालक को कहीं फेंक दें या इसका वध करवा दें क्योंकि यह बच्चा क्षुद्र बुद्धि का होगा। यह संपूर्ण कौरव वंश के विनाश का कारण बनेगा।"

स्वाभाविक था कि धृतराष्ट्र के पास पुत्र का वध करनेवाला हृदय नहीं था। कुछ समय पश्चात जंगल में ही राजा पांडु का स्वर्गवास हो गया। उनकी दोनों रानियों पर मानो वज्रपात हो गया। रानी माद्री अपने दो पुत्रों को कुंती को सौंप कर पांडु की चिता में जलकर सती हो गईं।

Scanned with CamScanner

अपठित गद्यांश

* निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रश्न - 1 अंबिका और अंबालिका का विवाह किससे हुआ? उनके कितने पुत्र पैदा हुए तथा वे कैसे थे?

प्रश्न - 2 धृतराष्ट्र का विवाह किससे हुआ तथा वह कैसी स्त्री थी?

प्रश्न - 3 एक दिन पांडु जब वन में शिकार खेलने गए तब क्या हुआ? सविस्तार वर्णन कीजिए।

प्रश्न - 4 धृतराष्ट्र के कितने पुत्र हुए तथा वे किस नाम से प्रसिद्ध हुए?

प्रश्न - 5 विदुर ने धृतराष्ट्र को क्या सलाह दी तथा क्यों?

—x—

Scanned with CamScanner